Ref No. GIL/CFD/SEC/27/075/SE

7th August 2026

BSE Limited
Scrip Code: 500300

National Stock Exchange of India Limited
Symbol: GRASIM

Dear Sir/Madam,

Sub: Newspaper Advertisement
Ref: Regulation 30 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015

Pursuant to Regulation 30 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find enclosed herewith copy of the newspaper advertisement regarding Intimation of loss of share certificate pertaining to a shareholder of the Company published in Nai Dunia (Indore Edition) in Hindi, dated 7th August 2026.

The same shall be uploaded on the Company's website **www.grasim.com.**

The above is for your information and record.

Thanking you,

Yours sincerely,
For Grasim Industries Limited

NEELABJA CHAKRABARTY
Digitally signed by NEELABJA CHAKRABARTY
Date: 2026.08.07 12:48:55 +05'30'

Neelabja Chakrabarty
Company Secretary and Compliance Officer
ACS – 16075

Encl: as above

Cc:

Luxembourg Stock Exchange
35A Boulevard Joseph II
L-1840 Luxembourg

Citibank N.A.
Depositary Receipt Services
388 Greenwich Street,
26th Floor, New York,
NY 10013

Citibank N.A.
Custodial Services FIFC,
11th Floor, C-54 & 55,
G Block, Bandra (East),
Mumbai 400051

एक नजर में

मासूम से दुष्कर्म के बाद हत्या, पड़ोसी गिरफ्तार

नरसिंहपुर : जिले के गोटेगांव थाना क्षेत्र के एक गांव में कक्षा तीसरी की मासूम का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात को अंजाम देने वाले 28 वर्षीय पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया है। बालिका बुधवार को स्कूल गई थी। दोपहर करीब ढाई बजे पड़ोसी युवक उसे बहला-फुसलाकर अपनी बाइक पर बैठाकर ले गया।

दो बच्चों के साथ कुएं में कूदी महिला, मौत

बड़वानी : वरला थाना क्षेत्र के ग्राम दुगानी रामजी फलिया में महिला दो बच्चों के साथ कुएं में कूद गई। डूबने से तीनों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और महिला व बच्चों के शव को कुएं से निकाल लिया गया है। मृतक का नाम माया (24 वर्ष) निवासी ग्राम दुगानी है। दोनों बच्चों में एक की उम्र डेढ़ व दूसरी की करीब तीन साल बताई जा रही है।

अमरकंटक अभयारण्य बनाने के प्रस्ताव पर विचार जारी

भोपाल : अनूपपुर जिले में स्थित अमरकंटक के वन परिक्षेत्र को अभयारण्य बनाए जाने की तैयारी है। इस प्रस्ताव का मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक डा. समीता राजौरा द्वारा परीक्षण किया जा रहा है। विधायक फुंदेलाल मार्को ने इसका प्रस्ताव मुख्यमंत्री मोहन यादव को भेजा था। उन्होंने पत्र लिखकर कहा कि अमरकंटक क्षेत्र छत्तीसगढ़ की सीमा से लगा है और वहां अचानकमार वन्य प्राणी अभयारण्य से जुड़ा है।

हाई कोर्ट से 17 साल बाद दो भाइयों को मिली राहत

जबलपुर : हाई कोर्ट ने दमोह के वर्ष 2009 के हत्याकांड में पुलिस जांच की बुनियाद पर ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए। कोर्ट ने पाया कि एफआइआर की विश्वसनीयता से लेकर हत्या में इस्तेमाल बताए गए चाकू और गवाहों के बयानों तक अनेक ऐसे तथ्य हैं, जो अभियोजन की कहानी पर संदेह पैदा करते हैं। इन परिस्थितियों में न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल व न्यायमूर्ति अवनींद्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने तुलसीराम राजपाल और उसके भाई हरप्रसाद की उम्रकैद की सजा निरस्त कर दोनों को बरी कर दिया।

यहां हल्की सी चोट से गूंज उठते हैं करोड़ों साल पुराने पत्थर

प्रकृति का अजूबा : विज्ञान इसे दुर्लभ भूगर्भीय संरचना मानता है तो लोकमान्यताएं जोड़ती हैं महाभारत काल से

दीपक विश्वकर्मा • नईदुनिया

नईदुनिया विशेष

देवास : घने जंगल की खामोशी के बीच यकायक ठन... ठन... की आवाज गूंजती है। पहली बार सुनने वाला सहज ही समझता है कि कहीं लोहे के खंभे पर हथौड़ा पड़ा है, लेकिन कुछ कदम आगे बढ़ते ही भ्रम टूट जाता है। सामने लोहा नहीं, पत्थर होते हैं। मध्य प्रदेश में देवास जिले के उदयनगर वन क्षेत्र स्थित कावड़िया पहाड़ प्रकृति का ऐसा ही अनोखा आश्चर्य है, जहां करोड़ों वर्ष पुराने पत्थरों पर जब चोट की जाती है तो धातु जैसी गूंज उठती है। ये पत्थर लोहे के बजाय, साधारण काला बेसाल्ट ही है।

भूगर्भ विशेषज्ञों के अनुसार यह पूरा क्षेत्र कालमनर बेसाल्ट की दुर्लभ संरचना का उदाहरण है। करोड़ों वर्ष पहले यहां ज्वालामुखी से निकला लावा धीरे-धीरे ठंडा हुआ। ठंडा होने के दौरान लावा सिकुड़ा और उसमें प्राकृतिक दरारें बन गईं। इसी प्रक्रिया से पांच, छह और कहीं-कहीं आठ कोणों वाले लंबे पत्थर-स्तंभ तैयार हुए, जो आज भी यहां बड़ी संख्या में दिखाई देते हैं। इन पत्थरों की बनावट बहुत ठोस और सघन होती है। कुछ पत्थरों के भीतर मौजूद प्राकृतिक संरचना उन्हें घंटी की तरह कंपन करने योग्य बना देती है। जब ऐसे पत्थर पर हल्की चोट पड़ती है, तो वह कंपन कुछ क्षण तक उसके भीतर घूमता रहता है और उसी से धातु जैसी साफ गूंज सुनाई देती है। हालांकि, कावड़िया पहाड़ के इन पत्थरों पर इस ध्वनि को लेकर अब तक कोई वैज्ञानिक अध्ययन प्रकाशित नहीं हुआ है।

दूसरा, यहां प्रत्येक पत्थर से आवाज नहीं निकलती। केवल कुछ खास आकार और बनावट वाले पत्थर ही धातु जैसी गूंज पैदा करते हैं।

ऐसी संरचनाएं हैं पत्थरों की, जिन्हें देखने से लगता है कि किसी शिल्पी ने तराशा हो • नईदुनिया

सुविधाएं हो रहीं विकसित

प्रकृति, विज्ञान और लोकविश्वास का अनूठा संगम होने के बावजूद यहां पहुंचने का रास्ता कठिन है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस दुर्लभ भूगर्भीय धरोहर का वैज्ञानिक अध्ययन, संरक्षण और सुनियोजित पर्यटन विकास किया जाए तो यह देश के प्रमुख जियो-टूरिज्म स्थलों में शामिल हो सकता है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

पत्थरों को लेकर ये हैं लोकमान्यताएं

लोकमान्यता के अनुसार महाभारत काल में महाबली भीम ने मां नर्मदा का वेग रोकने के लिए इन पत्थरों से बांध बनाने का प्रयास किया था। एक अन्य जनश्रुति कहती है कि पांडव इन्हें कांवड़ में भरकर लाए थे, इसलिए इसका नाम कावड़िया पहाड़ पड़ा।

दुनिया में और भी हैं ऐसे उदाहरण

ग्राम पोटला के आसपास इस तरह के सात पहाड़ हैं। यहां जो संरचनाएं बनी हुई हैं, वैसी ही दुनिया में और भी जगह पर हैं। उत्तरी आयरलैंड का जाइंट्स काजवे और स्काटलैंड की फिंगल्स केव इसके उदाहरण हैं।

यहां आने वाला प्रत्येक व्यक्ति इन पत्थरों की आवाज सुनकर ठिठक जाता है। अधिकांश लोगों को तब तक भरोसा ही नहीं होता, जब तक वे खुद पत्थर पर चोट करके उसकी ध्वनि नहीं सुन लेते।
अरुण भास्कर, स्थानीय निवासी

कावड़िया पहाड़ देवास जिले की विशेष धरोहर व प्रमुख पर्यटक स्थल है। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। ग्राम पोटला से कावड़िया पहाड़ पहुंच मार्ग को सुगम बनाने के प्रयास हो रहे हैं।
ऋतुराज सिंह, कलेक्टर, देवास

पहाड़ की संरचना बेहद दुर्लभ है। यह करोड़ों वर्ष पहले बेसाल्टिक मैग्मा के ठंडा होकर ठोस बनने से बनी है। ऐसी संरचना जर्मनी में भी है, पर इतनी विकसित नहीं है। देश में यहां जैसा उदाहरण कहीं नहीं मिला। इसे जियो-हेरिटेज घोषित किया जाना चाहिए।
डा. नरेंद्र जोशी, प्रोफेसर, भूगर्भ विज्ञान विभाग, होलकर साइंस कालेज, इंदौर

ईएसबी बार-बार बदल रहा है परीक्षाओं का कैलेंडर, अभ्यर्थियों की तैयारी हो रही प्रभावित

बदलाव • तीसरी बार संशोधित हुई समय सारिणी, दो परीक्षाओं का समय पहले बदल चुका

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) अपने ही परीक्षा कैलेंडर का पालन करने में लगातार असफल साबित हो रहा है। अगस्त में प्रस्तावित परीक्षाओं की संशोधित समय-सारिणी जारी करते हुए तीसरी बार कैलेंडर में बदलाव किया गया है। इससे पहले दिसंबर, 2025 और इस साल अप्रैल में प्रस्तावित परीक्षाओं का कार्यक्रम बदला जा चुका है। जनवरी से अब तक चार प्रमुख भर्ती परीक्षाओं सहित कई पात्रता परीक्षाओं की तिथियां बदली गई हैं। पांच अगस्त से शुरू होने वाली कृषि विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा अब सितंबर में होगी। इसी तरह समूह-01 उपसमूह-02 संयुक्त भर्ती परीक्षा, वनरक्षक और जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा की तिथियों में भी संशोधन किया गया है।

नए कैलेंडर में 11 भर्ती परीक्षाओं और एक प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा की रूपरेखा जारी की गई है, जबकि कई भर्ती परीक्षाओं के नोटिफिकेशन अब भी लंबित हैं। बहुप्रतीक्षित वर्ग-1 शिक्षक भर्ती परीक्षा-2026 को सूची में शामिल नहीं किया गया है। इसी तरह पिछले कैलेंडर की वर्ग-1 शिक्षक भर्ती परीक्षा-2026, समूह-2 उप समूह-2 और समूह-1 उप समूह 1 व समूह 2 उप समूह की संयुक्त भर्ती परीक्षाओं को सूची में शामिल नहीं किया गया है। दो से तीन माह तक परीक्षाएं टलने से लाखों अभ्यर्थियों की तैयारी, रोजगार प्राप्ति की योजना और मानसिक स्थिति प्रभावित हो रही है। अभ्यर्थियों का कहना है कि बार-बार तिथियों के बदलने और प्रक्रियाओं में परिवर्तन के कारण उनकी तैयारी प्रभावित हो रही है।

वनरक्षक और जेल प्रहरी परीक्षा में पदों को लेकर विवाद : वनरक्षक एवं जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा, जो अप्रैल में प्रस्तावित थी, यह 20 जून को आयोजित की गई। इसकी आवेदन प्रक्रिया फरवरी में पूरी कर ली गई थी। इसमें ओबीसी के पद शामिल नहीं किए गए थे। इस कारण प्रक्रिया विवादों में घिर गई। बाद में संबंधित विभाग द्वारा पदों की संख्या में संशोधन करते हुए ओबीसी वर्ग के लिए भी पद जोड़े गए हैं। दोबारा आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया में देरी हुई।

संपादकीय अग्रलेख
परीक्षाओं की अनियमितता >> पेज 4

अस्पताल सहायक भर्ती के लिए नए सिरे से आवेदन हुए थे

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत अस्पताल सहायक (चतुर्थ श्रेणी) के 1200 पदों पर भर्ती के लिए नई नियमावली जारी की गई थी। इस भर्ती के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया मई तक की गई। इसकी परीक्षा जून में आयोजित हुई। इसी तरह नर्सिंग आफिसर एवं सिस्टर ट्यूटर भर्ती परीक्षा, जो पहले अप्रैल में आयोजित की जानी थी, वह 15 मई से शुरू हो पाई।

अभ्यर्थी किसी भी परीक्षा की तैयारी मानसिक रूप से भी करते हैं। ऐसे में बार-बार परीक्षा कैलेंडर बदलने से उनके प्रदर्शन पर असर पड़ता है। नीट इसका उदाहरण है। अभ्यर्थी समय-सारिणी के अनुसार लक्ष्य निर्धारित कर परीक्षा की तैयारी करते हैं। बदलाव से बहुत गड़बड़ होती है।
- शबनम खान, वरिष्ठ करियर काउंसलर, भोपाल

साइबर ठगों का नई 'कैश आउट गैंग' ठगी होते ही खाली कर देते हैं खाता

प्रशांत व्यास • नईदुनिया

भोपाल : साइबर ठगी के मामले में जांच कर रही पुलिस को इनके नेटवर्क की अहम जानकारी मिली है। ठगों ने हर शहर में अपने ऐसे 'पेड एजेंट' बैठा दिए हैं जो या तो सैलरी पर काम कर रहे हैं या कमीशन पर। वह ठगी की राशि खाते में आते ही एटीएम से नकदी निकाल कर खाता खाली कर देते हैं।

इससे जब तक पुलिस खाता फ्रीज कराती है, तब तक रकम निकाली जा चुकी होती है। चौंकाने वाली बात यह भी है की ठगी के बाद दूसरे राज्य के म्यूल खाते में धनराशि डाली जाती है और एटीएम से उसकी निकासी किसी अन्य राज्य में हो जाती है। इससे जांच प्रक्रिया उलझ कर रह जा रही है। इस पुलिस नेटवर्क को 'कैश आउट गैंग' बता रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अब तक साइबर ठग ठगी की रकम को कई बैंक खातों में ट्रांसफर कर उसकी लेयरिंग करते थे, लेकिन एनसीसीआरपी पोर्टल पर शिकायत मिलते ही संदिग्ध खातों को फ्रीज किया जाने लगा। ठगों ने इससे बचने का रास्ता निकाल लिया।

अब वे हर साइबर ठगी के लिए नया बैंक खाता उपयोग में ला रहे हैं।

तिहाड़ से शुरू हुई कहानी

पूछताछ में खुलासा हुआ कि करतार सिंह नामक म्यूल अकाउंट एजेंट की मुलाकात तिहाड़ जेल में साइबर ठगी के मामले में बंद राजस्थान के एक साइबर सरगना के भाई से हुई थी। वहीं से इस नेटवर्क की नींव पड़ी। पिछले करीब एक वर्ष में करतार देशभर में सैकड़ों बैंक खाते खुलवाकर गिरोह को उपलब्ध करा चुका है। यह गिरोह केवल ऐसे करंट खाते या उच्च निकासी सीमा वाले बैंक खाते खरीदता है, जिनसे प्रतिदिन कम से कम एक लाख रुपये निकाले जा सकें।

एजेंटों को तीन प्रतिशत कमीशन या वेतन पर रखा है।

ऐसे खुला इस गिरोह का राज : शहर के हमीदिया अस्पताल की एक महिला डाक्टर आनलाइन गेम खेलते समय करीब एक लाख रुपये की साइबर ठगी का शिकार हो गई।

डाक्टर राजस्थान की मूल निवासी थीं। उनके दस्तावेजों में राजस्थान का ही पता लिखा था। इसी से ठग भ्रमित हो गए।

भिंड में महिला न्यायाधीशों से अभद्रता, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष सहित दो पर मुकदमा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भिंड : जिला न्यायालय परिसर में दो महिला न्यायिक अधिकारियों से अभद्रता के आरोप में भिंड पुलिस ने अभिभाषक संघ के अध्यक्ष विनीत मिश्रा और एक अन्य वकील के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रथम व्यवहार न्यायाधीश निधि नीलेश श्रीवास्तव और कनिष्ठ न्यायाधीश मुनमुन सिंह शर्मा ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को पत्र लिखकर बताया था कि 28 जुलाई को जब वे न्यायालय परिसर में जा रही थीं, तब विनीत मिश्रा ने रास्ता रोककर गाली-गलौज करते हुए न्यायिक कार्य में बाधा उत्पन्न की।

पुलिस ने जांच के बाद विनीत मिश्रा और अधिवक्ता सौरभ मिश्रा के खिलाफ बीएनएस की धारा 126(2) और 296(बी) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में उपलब्ध दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। वहीं विनीत मिश्रा का कहना है कि जिस दिन की घटना का उल्लेख किया गया है, वे न्यायाधीशों से मिले ही नहीं थे। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ मामलों को लेकर वे संबंधित न्यायाधीशों की शिकायत कर रहे थे, इसलिए उन पर गलत तरीके से एफआइआर दर्ज कराई गई है।

उप मुख्यमंत्री से छात्राएं बोलीं- सर, सड़क बनवा दीजिए....

नईदुनिया प्रतिनिधि, देवास : उप मुख्यमंत्री व देवास जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा गुरुवार को देवास पहुंचे। यहां सड़क सुरक्षा समिति व भाजपा कोर कमेटी की बैठक में शामिल हुए। जिस समय मंत्री देवड़ा सर्किट हाउस में थे, उसी समय सोनकच्छ क्षेत्र के बीसाखेड़ी माडल स्कूल की छात्राएं भी उनके पास पहुंचीं। छात्राओं ने सड़क बनवाने की मांग की।

छात्राओं ने उप मुख्यमंत्री देवड़ा से कहा कि सर, हमारी समस्या सुनो। हमारे यहां की सड़क बनवा दो। जब मंत्री ने विस्तार से पूछा तो बताया कि जलोदिया और ढाबला के बीच करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क कई वर्षों से नहीं बनी है। वर्षा में कीचड़ हो जाता है। इससे विद्यालय जाने में बहुत परेशानी होती है। देर होने पर शिक्षक डांटते हैं। सड़क के साथ भी पुल भी बनना चाहिए। 181 हेल्पलाइन पर शिकायत करने वाले एक छात्र के परिवार को आवास योजना का लाभ नहीं देने की धमकी भी दी गई। देवड़ा ने छात्राओं की समस्या सुनकर कहा कि सड़क और पुल, दोनों का निर्माण करवाया जाएगा। आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

छात्राओं के सर्किट हाउस पहुंचने की जानकारी मिलने पर सोनकच्छ विधायक डा. राजेश सोनकर भी पहुंचे और कहा कि मुझे पहले कभी किसी ने इससे अवगत नहीं करवाया। जल्द सड़क निर्माण कार्य करवायाजाएगा।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने दिया समाधान का आश्वासन। • वीडियो ग्रैब

- देवास के सर्किट हाउस में पहुंचीं थी सोनकच्छ क्षेत्र के बीसाखेड़ी की छात्राएं, बदहाल सड़क की परेशानी बताई

पहले अपनी हार पर नजर डाले कांग्रेस : इधर, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने दतिया उपचुनाव में भाजपा की हार और कांग्रेस के आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भाजपा पर टिप्पणी करने से पहले अपनी हार पर भी नजर डालनी चाहिए।

प्रदेश में भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार है और पार्टी 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में पूरी ताकत से जुटेगी।

फतवे के आधार पर तलाक मान्य नहीं, कानूनी प्रक्रिया जरूरी : हाई कोर्ट

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर : मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने मुस्लिम विवाह-विच्छेद से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया है कि केवल फतवे के आधार पर निकाह खत्म नहीं माना जा सकता। धार्मिक संस्था या मसाजिद कमेटी धार्मिक राय तो दे सकती है, लेकिन कानूनी रूप से विवाह समाप्त करने का अधिकार सक्षम अदालत के पास ही है। यह मामला भोपाल की दारुल-दफा मसाजिद कमेटी के फतवे से जुड़ा था। पति चाहता था कि फतवे के आधार पर उसका निकाह खत्म मान लिया जाए, जबकि पत्नी ने इसका विरोध करते हुए कहा कि फतवा कानूनी तलाक नहीं है। पत्नी की याचिका पर सुनवाई में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने फतवे का अध्ययन किया। कोर्ट ने पाया कि फतवे में निकाह खत्म करने के लिए इस्लामी ग्रंथों के आधार पर पत्नी की कथित क्रूरता जैसी परिस्थितियों पर धार्मिक मार्गदर्शन दिया गया। कोर्ट ने कहा कि इस फतवे को कानूनी तलाक नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोई मदरसा, धार्मिक शिक्षण संस्था या मसाजिद कमेटी मुस्लिम पुरुष को कानूनी तलाक नहीं दे सकती।

जगदीश के खाते में आई अलग-अलग राज्यों में ठगी के 11 मामलों की राशि

नईदुनिया फालोअप

नईदुनिया प्रतिनिधि, शाजापुर : प्रदेश की सबसे बड़ी साइबर ठगी के मामले में राज्य साइबर सेल जोन ग्वालियर की टीम द्वारा पकड़े गए शाजापुर जिला पंचायत सदस्य जगदीश कुमार मालवीय फौजी से संबंधित बैंक के करंट खाते में अलग-अलग राज्यों में हुई ठगी के 11 मामलों की राशि का लेनदेन हुआ है। साइबर सेल टीम की जांच में यह बात सामने आई है। कई और महत्वपूर्ण जानकारी टीम को मिली है।

जगदीश मालवीय।

राज्य साइबर सेल के डीएसपी संजीव नयन शर्मा ने बताया की आरोपित मालवीय फिलहाल पुलिस रिमांड पर है। जगदीश की सोसायटी से संबंधित संस्था के करंट खाते में नबंवर 2025 से ठगी की राशी का लेनदेन प्रारंभ हुआ। दो से तीन करोड़ की राशी का लेन-देन इनके खाते में सामने आया है। आरोपित मालवीय के कब्जे से एक लाख रुपये भी जब्त किए गए हैं। पूछताछ में उसने टीम को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इसके आधार पर टीम अन्य आरोपितों की तलाश में सागर जिले के लिए भी रवाना हुई है।

राशि में रहती है हिस्सेदारी : साइबर सेल टीम ने बताया कि ठगी की राशि ट्रांजेक्शन के लिए करंट खातों का उपयोग किया गया। इन खातों के मालिकों को तय परसेंटेज या हिस्सेदारी दी जाती है।

पहली लेयर का ट्रांजेक्शन

डीएसपी शर्मा ने बताया कि ठगी के मामले में आरोपित जगदीश मालवीय से संबंधित खाते में पहली लेयर का ट्रांजेक्शन हुआ है। साइबर ठगी के मामलों में पहली लेयर में दो से सात तक खातों में ही रकम भेजने की बात सामने आई, किंतु इस मामले में पहली लेयर में ही 77 खातों में ट्रांजेक्शन हुए हैं। इसके बाद 15 लेयर में 20 हजार से अधिक खातों में ट्रांजेक्शन हुए हैं। फरियादी द्वारा 76 बैंक खातों में 106 बार में 21 करोड़ पांच लाख 92 हजार रुपये भेजे। इसके बाद 15 लेयर तक पैसा गया। 15 लेयर में 20 हजार से ज्यादा बैंक खाते चिन्हित हुए हैं। इसमें करीब 35 प्रतिशत पैसा दक्षिण के राज्यों के बैंक खातों में पहुंचा है। जगदीश के खाते में 50 लाख रुपये ट्रांजेक्शन हुआ था।

बांग्लादेशी घुसपैठिए को सात साल की जेल, 10 हजार का जुर्माना भी

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोर : सीहोर जिले में बिना वैध दस्तावेज के अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को जिला सत्र न्यायालय ने सात साल के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। वह पकड़े जाने से 29 साल पहले बांग्लादेश से भारत में आया था। राजस्थान पहुंचा वहां कई वर्ष अजमेर रहा फिर मप्र में आकर रहने लगा था। 27 अप्रैल 2025 को सीहोर कोतवाली पुलिस ने शहर के इंदिरा नगर टप्पर क्षेत्र में बांग्लादेशी नागरिक 44 वर्षीय इरशाद को पकड़ा था।

समान उद्देश्य वाली सरकारी योजनाओं का होगा विलय, अप्रसांगिक होंगी बंद

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल : मध्य प्रदेश में अगले साल फरवरी में प्रस्तुत किए जाने वाले बजट की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। सभी विभागों से सात सितंबर तक बजट के प्रस्ताव मांगे गए हैं।

31 अक्टूबर तक बजट पर विभागवार चर्चा की जाएगी। नई योजना के प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजना अनिवार्य होगा।

समान उद्देश्य वाली योजनाओं को आपस में मिलाया जाएगा और अप्रसांगित योजनाओं को बंद किया जाएगा। इनमें वे योजनाएं भी शामिल हैं जिनके बजट मद खुले हैं लेकिन राशि आवंटित नहीं की गई है।

वित्त विभाग ने सभी विभागों को नए बजट के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें पिछले वर्ष के रोलिंग बजट के आधार पर प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा गया है। विभाग को अपने बजट प्रस्ताव का औचित्य बताना होगा।

राशि निर्धारण करते समय संभावित हितग्राहियों की संख्या, पिछले वर्षों में किए गए व्यय, योजना की उपलब्धि और भविष्य की आवश्यकता का स्पष्ट आधार देना होगा।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
सुखलिया इंदौर शाखा, इंदौर क्षेत्र
3, मंगल नगर, सुखलिया इंदौर, मप्र-452010
मोबाइल नं. - 97524 10695,
ई-मेल: sukhal@bankofbaroda.co.in

आधिपत्य हेतु सूचना पत्र चल एवं अचल सम्पत्तियों के लिए नियम 8(1)

बैंक ऑफ बड़ौदा के निम्न हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकृत अधिकारी द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) सपठित नियम 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रवर्तन करके निम्न ऋणगृहिताओं/ जमानतदारों से सूचना प्राप्ति की दिनांक से 60 दिन की समयावधि में ऋण राशि अदा करने की अपेक्षा की गई थी। चूंकि ऋणगृहिताओं/जमानतदारों ने अदायगी में त्रुटी की है अतः ऋणगृहिताओं/जमानतदारों तथा सर्वसाधारण जनता को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने नीचे वर्णित सम्पत्ति का आधिपत्य अधिनियम की धारा 13(4) सपठित नियम 8 के अन्तर्गत प्राप्त कर लिया है। ऋणगृहिताओं/जमानतदारों को विशेषतः तथा समस्त जनता को साधारणतः सतर्क किया जाता है कि इस सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार न करें यदि कोई संव्यवहार किया गया तो वह बैंक ऑफ बड़ौदा के ऋणगृहिताओं/जमानतदारों के समक्ष वर्णित राशि एवं ब्याज के चार्ज (प्रभार) के अधीन होगा। अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के अनुसार सुरक्षित संपत्ति को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समय के संबंध में ऋणियों का ध्यान आकर्षित किया जाता है।

ऋणीयों/ जमानतदारों का नाम	मांग सूचना दिनांक / धारण दिनांक	₹ बकाया राशि	बंधक संपत्ति का विवरण
उधारकर्ता श्रीमती पार्वती जैन पति श्री बख्शीराम जैन, प्रोपराइटर मेसर्स पार्वती एंटरप्राइजेज	21.05.2026 / 05.08.2026	60,65,169/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे	संपत्ति के समस्त भू भाग व अंश लीजहोल्ड फैक्ट्री भूमि एवं उस निर्मित भवन, स्थित प्लॉट नंबर 92, इंडस्ट्रियल एरिया - रेडीमेड कॉम्प्लेक्स, परदेशीपुरा, इंदौर, जिला इंदौर (म.प्र.), प्लॉट क्षेत्रफल 270 वर्ग मीटर, **संपत्ति मालिक:** मेसर्स पार्वती एंटरप्राइजेज, प्रोप्राइटर श्रीमती पार्वती जैन पति श्री बख्शीराम जैन, इसकी **चतुर्सीमा** इस प्रकार हैं: **उत्तर में** - इलेक्ट्रॉनिक कॉम्प्लेक्स की भूमि, **दक्षिण में** - 26 मीटर चौड़ी सड़क, **पूर्व में** - प्लॉट नंबर 93, **पश्चिम में** - प्लॉट नंबर 91

स्थानः इन्दौर, दिनांक : 06.08.2026 — प्राधिकृत अधिकारी, **बैंक ऑफ बड़ौदा**

नया संकेत — दतिया उपचुनाव में आसपा के दामोदर यादव को मिले 14.3 प्रतिशत वोट

ग्वालियर- चंबल में बसपा की जगह ले सकती है आसपा

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल : ग्वालियर-चंबल अंचल में दलित राजनीति का अपना स्थान है। इसी वजह से कभी यहां बसपा का अच्छा प्रभाव हुआ करता था। वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव में बसपा जैसा प्रभाव आजाद समाज पार्टी (आसपा) भी दिखा सकती है। ऐसा संकेत दतिया उपचुनाव में मिला है। आसपा प्रत्याशी दामोदर यादव ने उपचुनाव को न केवल त्रिकोणीय मुकाबले में बदला बल्कि 22,527 वोट यानी 14.3 प्रतिशत वोट प्राप्त किए।

दामोदर यादव।

आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट हो रहा है कि दामोदर यादव ने बसपा और कांग्रेस के वोटबैंक में तो सेंध लगाई ही, भाजपा को भी प्रभावित किया। बता दें, उपचुनाव में भाजपा 6,016 वोटों से चुनाव हारी। दलित और ओबीसी (यादव) वोटों के इस नए समीकरण ने भाजपा और कांग्रेस दोनों का खेल बिगाड़ दिया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार दामोदर यादव ने जो त्रिकोणीय मुकाबला खड़ा किया, उसने मुख्य रूप से सत्ता विरोधी वोट यानी दलित मतदाताओं के एक बड़े हिस्से को प्रभावित किया। यदि दामोदर यादव को मिले वोटों का एक छोटा हिस्सा भी भाजपा के पाले में जाता तो हार-जीत का अंतर बदल सकता था। उनके मजबूत प्रदर्शन को भाजपा की हार का एक मुख्य कारण माना जा रहा है। इसकी पुष्टि भी दामोदर यादव के बयान से होती है। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस के षडयंत्र को समझ नहीं पाए : आशुतोष तिवारी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल : मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे आशुतोष तिवारी ने अपनी हार के लिए कांग्रेस के षडयंत्र को कारण बताते हुए कहा है कि हम उस षड्यंत्र को समझ नहीं पाए। ऐसी और कौन सी बातें हैं, उनको संज्ञान में लेकर आगे के लिए सुधार करेंगे। गुरुवार को भोपाल में पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर पहुंचे आशुतोष ने पत्रकारों के सवाल पर यह बात कही। उपचुनाव में प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा की भूमिका को लेकर सवाल पर वह सीधे कुछ कहने से बचते हुए उन्होंने इतना ही कहा कि हर व्यक्ति की भूमिका के बारे में सबका अपना मत है, समीक्षा समिति तय करेगी कि किसने क्या भूमिका निभाई। भितरघात के सवाल पर बोले- कोई तो चूक हुई ही है, उसकी समीक्षा होगी। पार्टी कार्यालय में आशुतोष तिवारी ने प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से मुलाकात की।

भाजपा के वरिष्ठ नेता नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों ने अंतिम समय में रणनीतिक भ्रम फैलाकर उनके समर्थकों के वोट कांग्रेस की तरफ डायवर्ट कर दिए गए। पार्टी सूत्र भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो भाजपा कार्यकर्ता नाराज थे, उनमें से बहुत लोगों ने कांग्रेस का सहयोग न कर दामोदर यादव को किया। दूसरी ओर, भाजपा की सफाई आई कि भले ही पार्टी उपचुनाव हार गई हो, लेकिन वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार दतिया में लगभग 1,700 वोट अधिक मिले हैं।

ऊर्जा मंत्री की मौत की फर्जी पोस्ट, युवक पर केस

नईदुनिया प्रतिनिधि, शिवपुरी : प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की मौत की झूठी खबर फेसबुक पर पोस्ट करने वाले करैरा निवासी सौरभ भार्गव पर अमोला थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

फरियादी हेमंत व्यास निवासी सुभाष कालोनी कमलागंज द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार 29 जुलाई को ग्राम सिरसौद थाना अमोला के कुछ लोगों ने मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का चित्र लगाकर सांकेतिक अर्थी निकाली थी।

उसी दिन करैरा निवासी सौरभ भार्गव ने अपने फेसबुक अकाउंट से कई लोगों को टैग करते हुए पोस्ट की-ओम शांति नहीं रहे मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सिरसौद के ग्रामीणों ने नम आंखों से दी विदाई..., सुबह से मेरा मन दुखी है...।

ADITYA BIRLA
GRASIM
ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड
सीआईएन: L17124MP1947PLC000410
पंजीकृत कार्यालय: डाकघर बिरलाग्राम, नागदा - 456 331, जिला उज्जैन, मध्य प्रदेश, भारत,
टेलीफोन नं.: +91 7366-246766
कॉर्पोरेट कार्यालय: आदित्य बिड़ला केंद्र, ए विंग, दूसरी मंजिल, एस. के. अहिरे मार्ग, वर्ली, मुंबई - 400 030, महाराष्ट्र, भारत
टेलीफोन नं.: +91 22 6652 5000 / 2499 5000;
ई-मेल: grasim.secretarial@adityabirla.com; **वेबसाईट:** www.grasim.com

शेयर सर्टिफिकेट खोने की सूचना

इसके द्वारा **सूचित** किया जाता है कि कंपनी के नीचे बताए गए इक्विटी शेयरों से संबंधित शेयर सर्टिफिकेट खो जाने या गुम हो जाने की सूचना मिली है और इनके रजिस्टर्ड शेयरहोल्डर/दावेदार ने डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने के लिए आवेदन किया है।

अगर किसी व्यक्ति को इन इक्विटी शेयरों के संबंध में कोई दावा या आपत्ति है, तो उसे इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से **15 दिनों** के भीतर कंपनी के कॉर्पोरेट ऑफिस - **ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आदित्य बिड़ला सेंटर, 'ए' विंग, दूसरी मंजिल, एस. के. अहीरे मार्ग, वर्ली, मुंबई - 400 030, महाराष्ट्र** - में संबंधित दस्तावेजों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। यदि तय समय के भीतर कोई दावा प्राप्त नहीं होता है, तो कंपनी शेयरहोल्डर/दावेदार के अनुरोध पर आगे की कार्रवाई करेगी और बिना किसी अतिरिक्त सूचना के संबंधित शेयरों को सीधे शेयरहोल्डर/दावेदार के डीमैट खाते में जमा कर देगी; इसके बाद किसी भी व्यक्ति के किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

फोलियो नंबर	शेयरधारक(कों) का नाम	शेयरों की संख्या	सर्टिफिकेट नंबर	डिस्टिंक्टिव नंबर	
				से	तक
Y10100	याद राम गुप्ता	330	3092756	444513291	444513620

कृते **ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड**
हस्ता/-
नीलाब्जा चक्रवर्ती
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
स्थान: मुंबई
दिनांक: 7 अगस्त 2026
एसीएस-16075